कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.... 4107708

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय संस्कृत साहित्य

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 1-04-22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक 3 1 6 1 3

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 167/2020

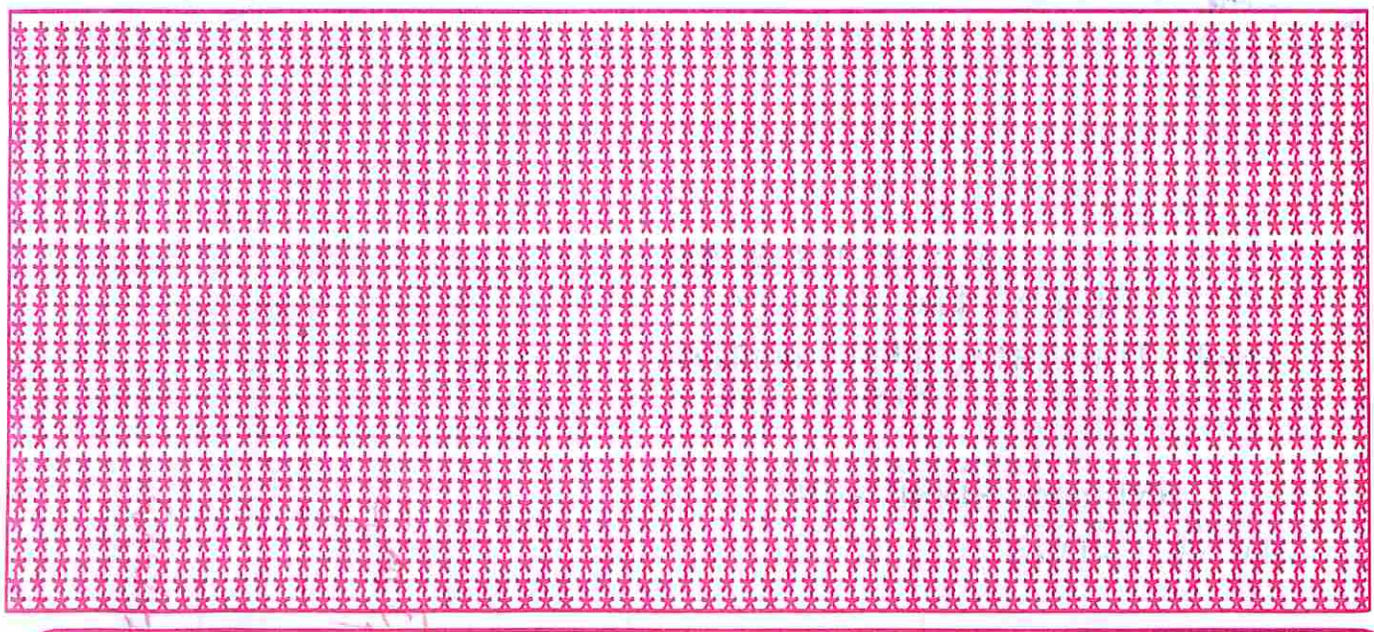

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

1. i) (ब) अमृतम्
ii) (अ) कौत्स:
iii) (द) जनकस्य
iv) (स) रघुवंशात्
v) (द) चन्द्रापीडम्
vi) (अ) अपगतमले
vii) [ब] कूपखननम्
viii) [अ] सप्त
ix) [स] अंधकार:
x) [ब] सद्यम्
xi) [द] अश्रुधारा
xii) [[illegible]] विवीरन्चर:

BSER-167/2020

(1)

12

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2. क)

i) पठ् + शतृ ⇒ ~~पठन्~~ पठन

ii) गम् + क्त्वा ⇒ गत्वा

ख)

i) वदनीयम ⇒ ~~वद्~~ वद् + अनीयर

ii) दातव्यम ⇒ दा + तव्यत

ग)

i) ग्रामं

ii) सिंहात

6

3. क)

i) वेदानाम् अन्तिम भाग: उपनिषद: ।

ii) सङ्गीतशास्त्रस्य आधार: सामवेद: अस्ति।

iii) वासवदत्ता

iv) महाकवि कालिदासेन

12

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

v) अर्थगौरवं महाकवि भारवे प्रसिद्धम अस्ति ।

vi) महाकवि विद्याधरस्य पितामह हरनाम दत्त शास्त्री "हरनामामृतम" महाकाव्यस्य नायक:

vii) मानवंश) महाकाव्यस्य प्रणेता सूर्यनारायण शास्त्री ।

viii) वीररस:

ix) श्री - निवासाचार्य

x) हृषिकेश भट्टाचार्य

ख)

i) तृतीया विभक्ति
सूत्र :- सहसार्धꣳस सहयुक्तेऽप्रधाने

ii) पञ्चमी विभक्ति

सूत्र:- भुव: प्रभव:

12

खण्ड - ब

4.

i) अनुष्टुप

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लक्षण ⇒

श्लोके षष्ठं गुरू ज्ञेयं सर्वत्र लघु पञ्चमम्।
द्विचतुष्पादयोर्ह्रस्वं सप्तमम दीर्घ मन्ययो ॥

उदाहरण ⇒

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रवसन्ति मुखे मृगाः ॥

(2)

5. i) त्वमेव माता च पिता त्वमेव
(जगण, तगण, जगण)

गण क्रम ⇒ जगण तगण जगण गुरु गुरु वर्ण

छन्द ⇒ उपेन्द्रवज्रा

(2)

6. i) यमकम्

लक्षण ⇒

सत्यर्थे पृथगर्थायाः स्वरव्यंजन संहते
क्रमेण तेनैवावृत्तिर्यमकं विनिगद्यते

(3)

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उदाहरण =>

अस्ति यद्यपि सर्वत्र नीरं नीरज राजितम् ।

रमते न मरालस्य मानसं मानसं विना ॥

ii) श्लेष

लक्षण => श्लिष्टैः पदरनेकार्थभिधाने श्लेष इष्यते ।

उदाहरण =>

उच्छलद् भुरि कीलाल: शुशुभे वाहिनीपति: ।

(2)

कीलाल: → रक्त, जल

वाहिनीपति → सेनापति:, समुद्र:

7. i) वहन्ति वर्षन्ति नदन्ति भान्ति

(2)

अलंकार :- अनुप्रास

8. i) यगण: [ISS]

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2		ii) उत्प्रेक्षा अलंकारे उपमानेन उपमेयस्य सम्भावना भवति ।
2	9.	सहसा विदधीत ---------- स्वमेव सम्पद: । अन्वय:- सहसा क्रिया न विदधीत । अविवेक: परं आपदां पदम् । हि गुणलुब्धा: सम्पद: स्वमेव विमृश्यकारिणं वृणुते ।
2	10.	i) उत्सङ्गे => गोद में ii) मातरिश्वा => प्राणवायु iii) सदसि => सभा में iv) प्रपेदे => पहुँचा
2	11.	i) सत्कार: संधि विच्छेद => सद् + कार: सुत्र => स्तो: श्चुना श्चु: [चर्त्व संधि] खरि च

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		ii) उपेन्द्रः
		संधि विच्छेद => उप + इन्द्रः
2		सूत्र => आद् गुण [गुण संधि]
	12	iii) जन + एकता => जनैकता
		सूत्र => वृद्धि रेचि [वृद्धि संधि]
		ii) वाक् + ईशः => वागीशः
2		सूत्र => झलां जशोऽन्ते [जसत्व]
	13.	i) विज्ञानप्रधानम्
2		ii) वैज्ञानिकैः
	14.	i) "विशिष्टं ज्ञान विज्ञानम्" इति कथ्यते
2		ii) परमाणुशक्तेः राजनीति उपयोगी विहितः (अस्त्र निर्माणे एवं विशेषतः)
	15.	i) लोकध्वंसकार्यम्
		ii) विज्ञानस्य

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

iii) सर्वत्र

(2) iv) मानव:

(2) 16. "विज्ञानप्रधानं युगम्"

17. iii) सन्मित्र - - - - - - - - - सन्त: ।

भावार्थ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक शाश्वती के सूक्ति सुधा पाठ से लिया गया है।
महाकवि भर्तृहरि बताते हैं कि :-
ऐसा मित्र सच्चा मित्र होता है जो अपने मित्र को पापकर्म से हटाए। उसके हित को खोजने का प्रयत्न करे। जो अपने मित्र के अवगुणो को प्रकट न करके उसके गुणो की प्रसंशा करे। जो अपने मित्र से गोपनीय बात पूछे, तथा बताए। संतो ने अर्थात महान व्यक्तियों ने ऐसे गुण एक सच्चे मित्र के लक्षण होते हैं, ऐसा कहा है

ii) यो यस्य - - - - - - - तस्य दूरम् ।

भावार्थ => उक्त पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्त सूक्ति सुधा विक्रमादित्यम् पाठ

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

से लिया गया है।
उक्त पंक्ति में कहा गया है कि जो जिससे दूर होता है उसमे मित्रता समाप्त हो जाती है ऐसा नही कहना चाहिए। जो जिसका मित्र होता है वह उससे दूर नहीं होता है जैसे मोर पर्वत पर रहता है तथा बादल आकाश फिर भी बादलो के देखकर मोर प्रसन्न हो जाता है। जैसे :- कमल जल में रहता तथा वह सूर्य से बहुत दूर है फिर भी वह सूर्य को देखकर खिल उठता है।

(3)

18. i) राजवचनम्

iii) गुरूपदेश: अखिलमलप्रक्षालन क्षमम् अजलं स्नानम्।

(3) iii) राज्ञाम्

19. केयूराणि न ---- ---- वाग्भूषणं

i) वाण्येका।

ii) वाक् भूषणम् न क्षीयन्ते।

iii) भूषणम्।

(3)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	20. ii)	लवः - अहो ! .... मध्यचरौ भवेतु ।
	i)	अश्व मेधिका अश्वः
	ii)	अत्र महाराजपदं श्री रामस्य कृते प्रयुक्तम ।
3	iii)	संदीपनानि
	21. i)	केषाम हिंसावृत्ति तु निरवधिः ?
	ii)	राजा कुत्र उपवेष्टुं गच्छति ?
	iv)	निर्मला बुद्धिः कदा कालुष्यमुपयाति ?
5	v)	पृथिव्याः कैः सप्तधा विभागः कृतः?
	22. i)	कामिशः मधुरं फलं खादति ।
	ii)	मृगः शीघ्रं धावति ।
	iii)	कृष्णेन सह राधा नृत्यन्ति ।
5	vi)	कविषु कालिदासः श्रेष्ठतमः ।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

~~23.~~

~~विषय~~

23. "मम प्रियग्रन्थः"

"रामायण" मम ~~प्रिय~~ग्रन्थः । महाकवि वाल्मीकिः रामायणम् रचयिता । संस्कृत साहित्ये आदिकाव्य रामायण एव अस्ति । ~~अस्मिन~~ अस्मिन् महाकाव्ये चतुर्विंशति साहस्त्री संहिता [24000] श्लोकाः ~~लिखित अस्ति~~ सन्ति । रामायणस्य प्रारम्भिक श्लोक :-

"मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वती समाः
यत क्रौञ्च मिथुनादिकमवधिः काममोहितम्"

रामायणे अनुष्टुप छन्दस्य प्रधानता अस्ति । भगवत श्री रामस्य जीवनी रामायण ग्रन्थे लिखिताः । रामायण महाकाव्य सप्त काण्डेषु विभक्तः -

i) बालकाण्डः ii) अयोध्याकाण्डः iii) किष्किंधाकाण्डः iv) सुन्दरकाण्डः, v) अरण्य काण्डः vi) युद्धकाण्डः, vii) ~~उत्तर~~ उत्तर काण्डः

रामायण महाकाव्ये किष्किंधाकाण्ड सर्वासु लघु तथा युद्ध काण्ड सर्वासु दीर्घ काण्ड । अतः मम प्रियग्रन्थः रामयणः अस्ति ।

(4)

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		80

इति

[THE END]

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEK 16/7/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

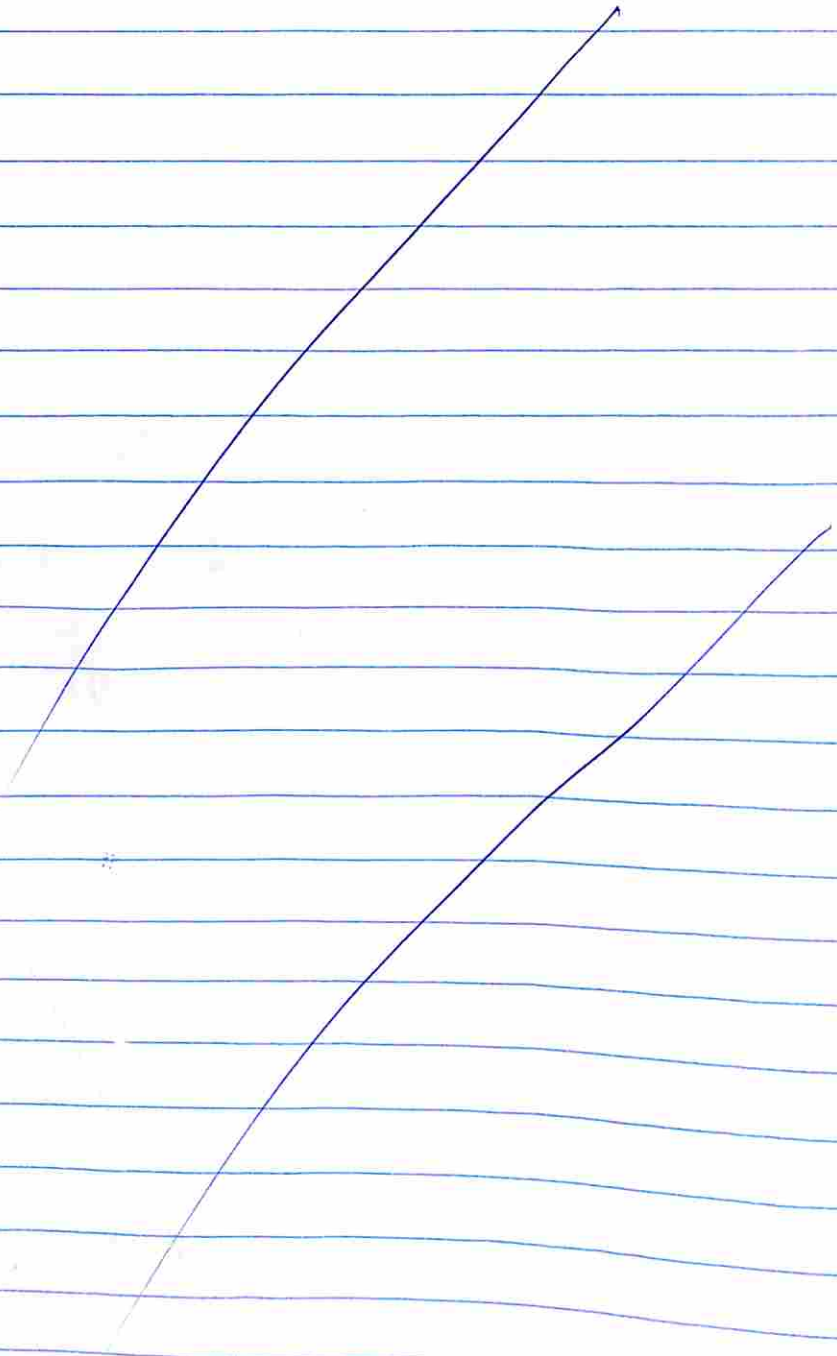

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

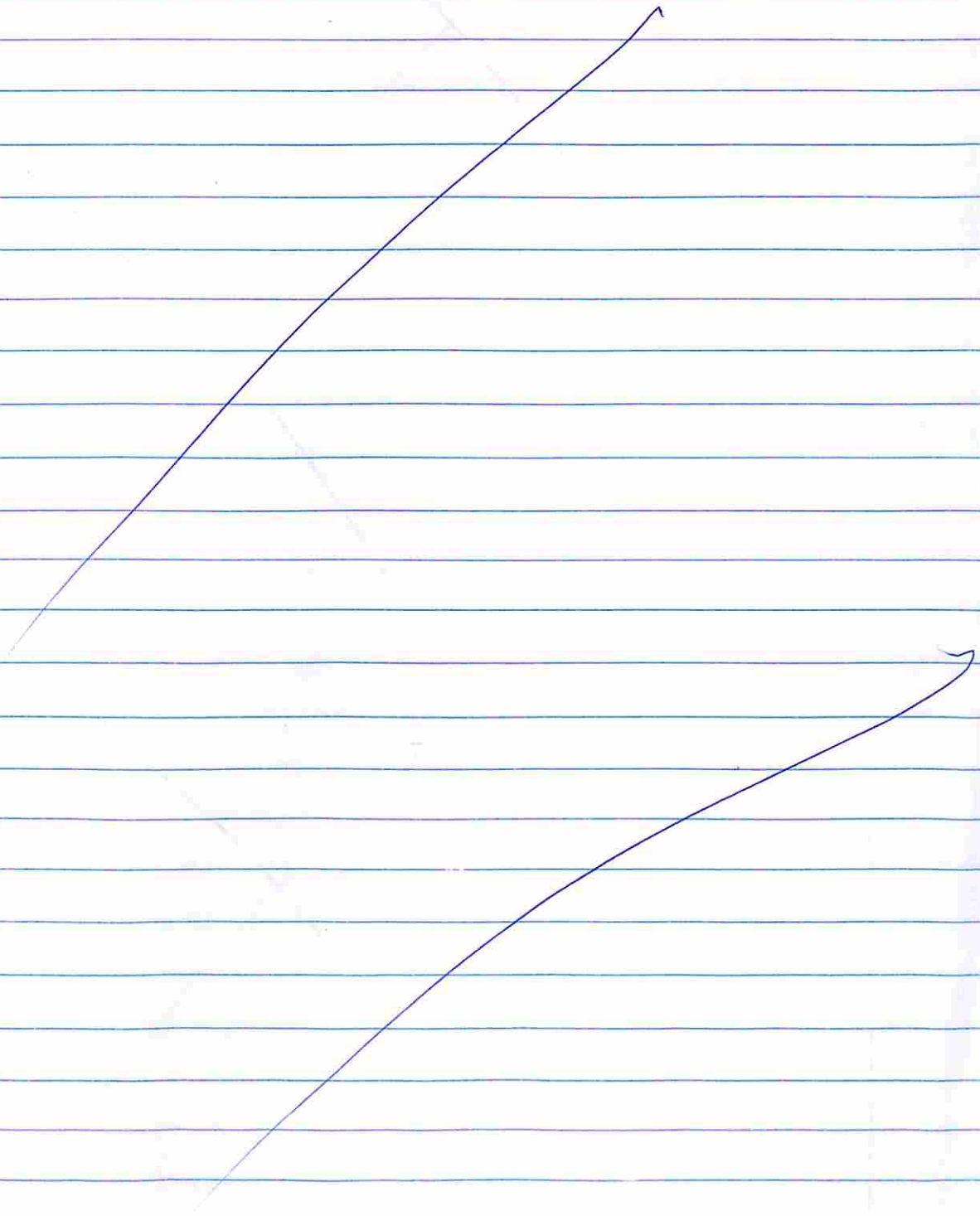

IJSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

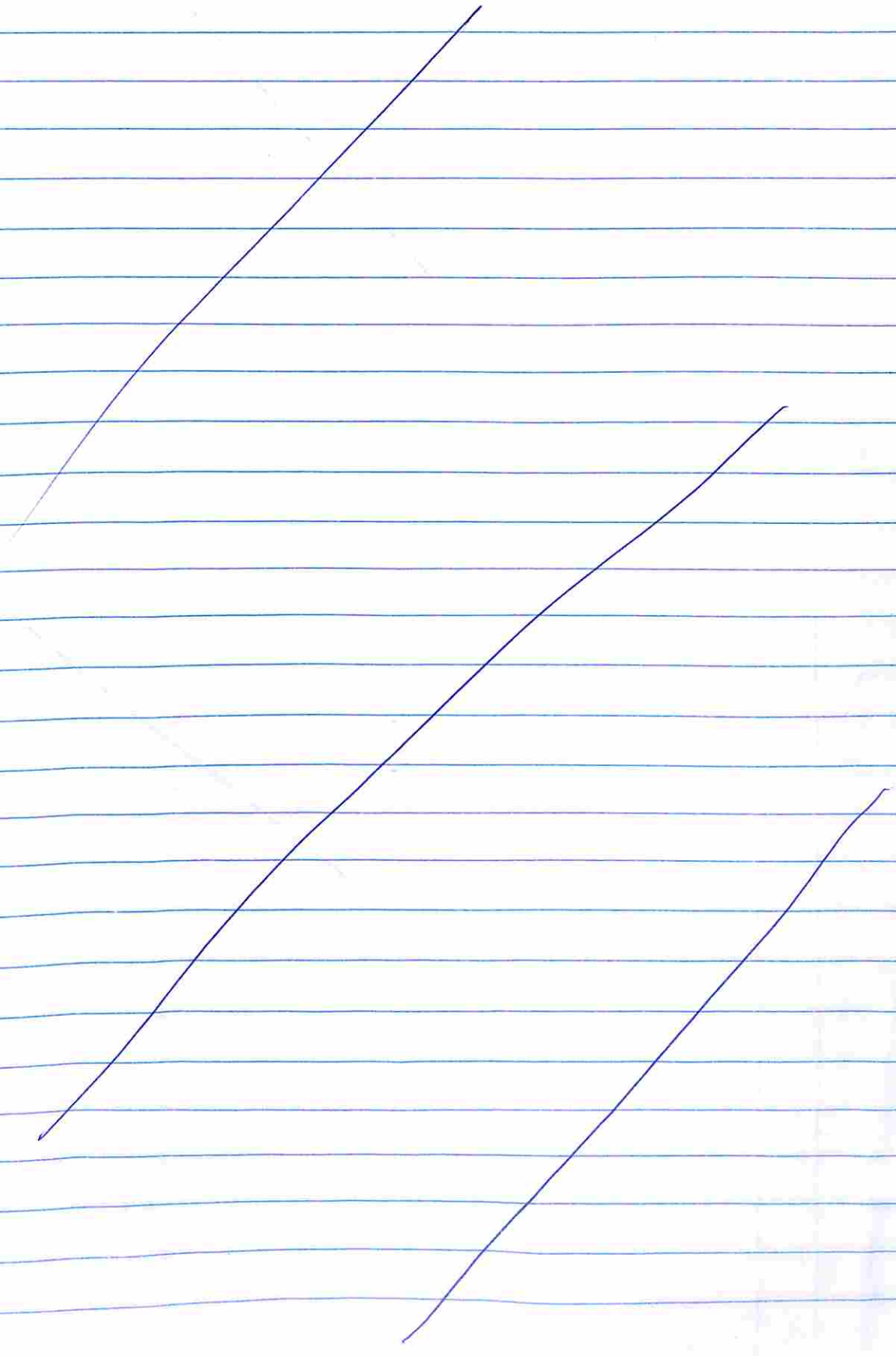

BSER-16/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

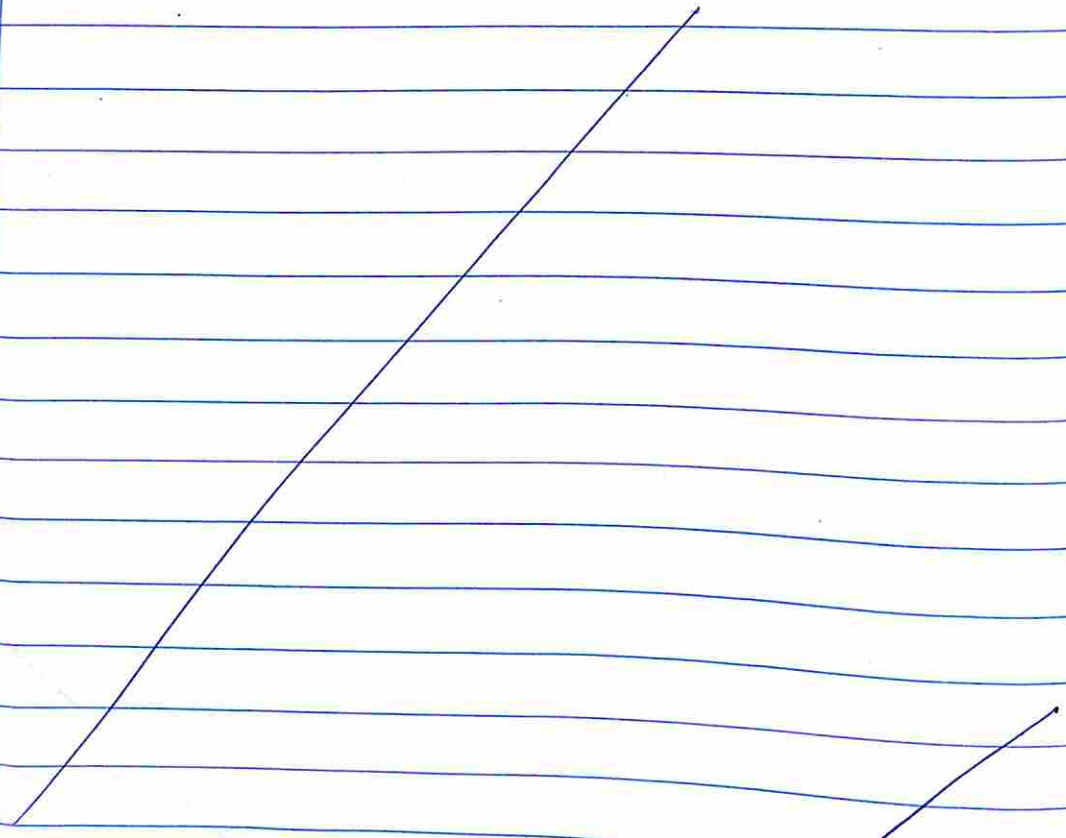

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

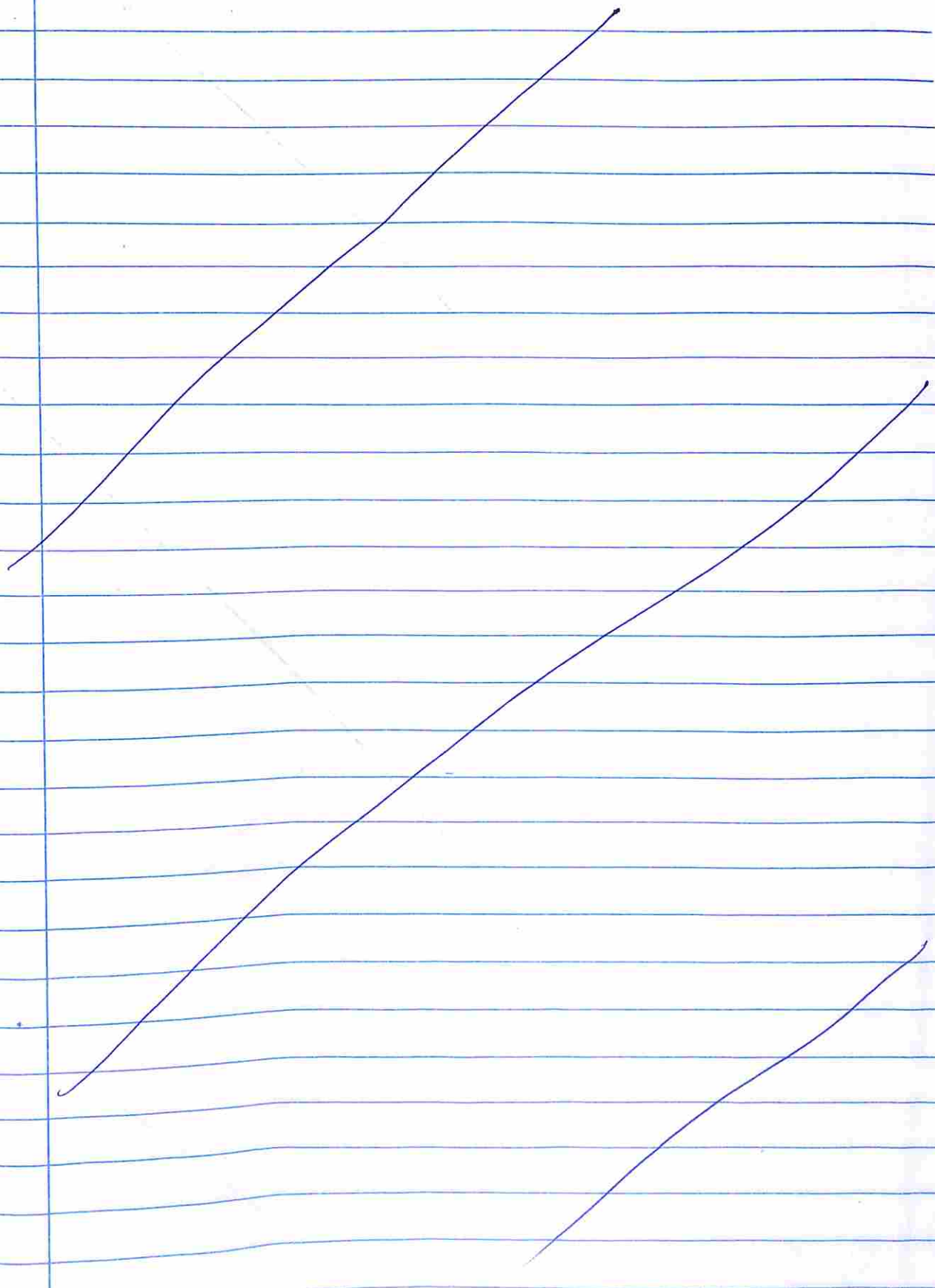

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

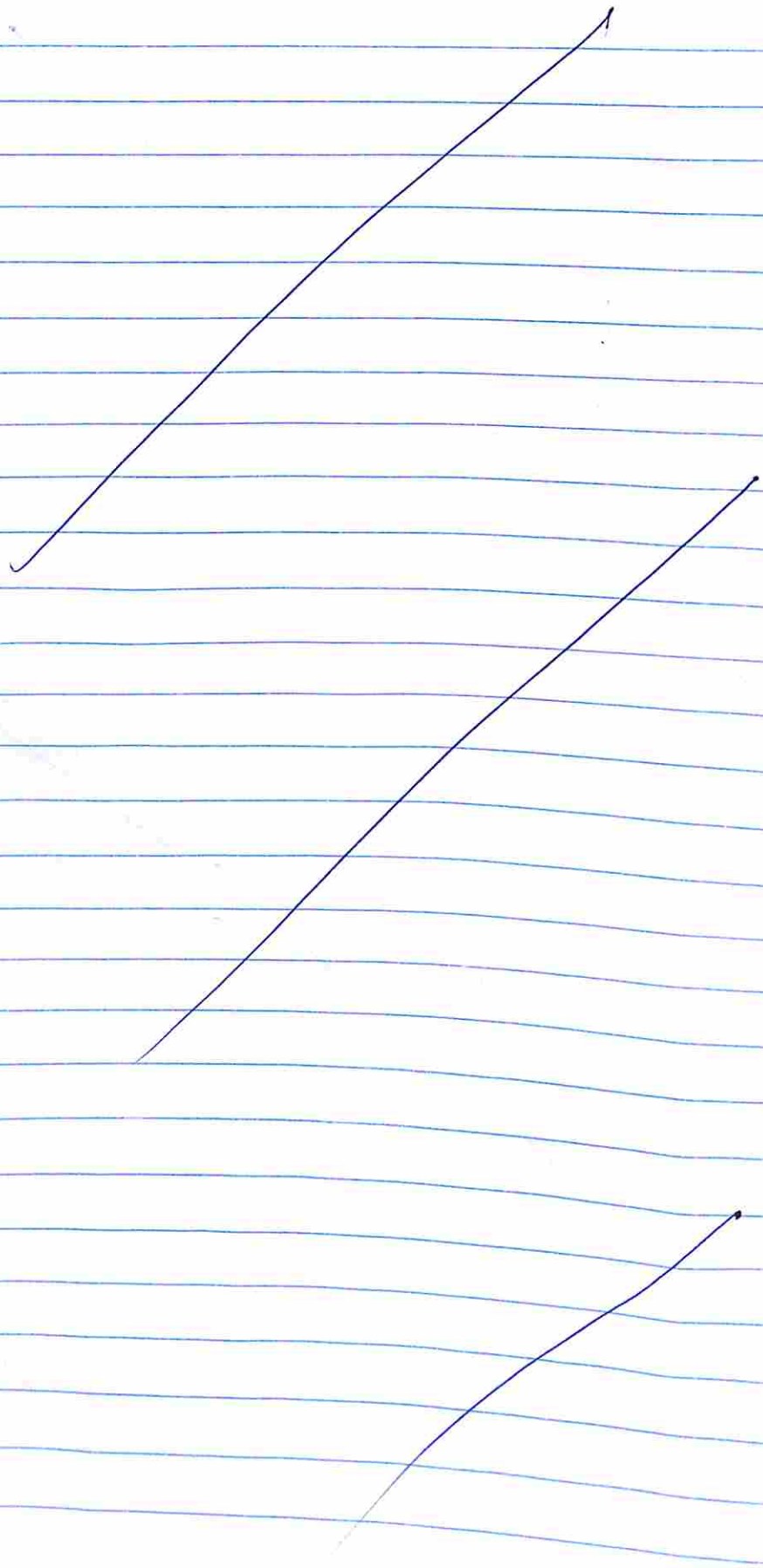

RSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

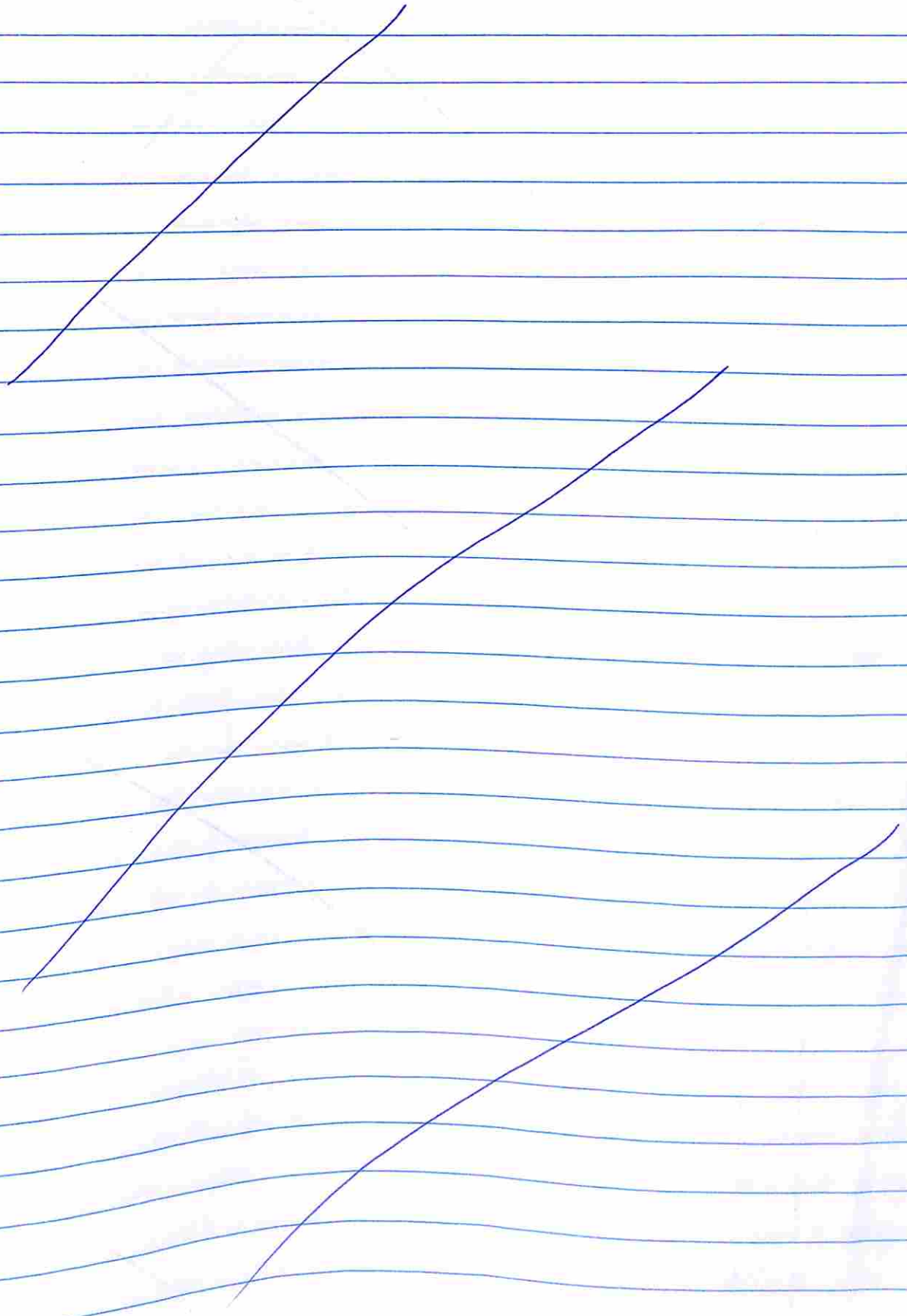

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

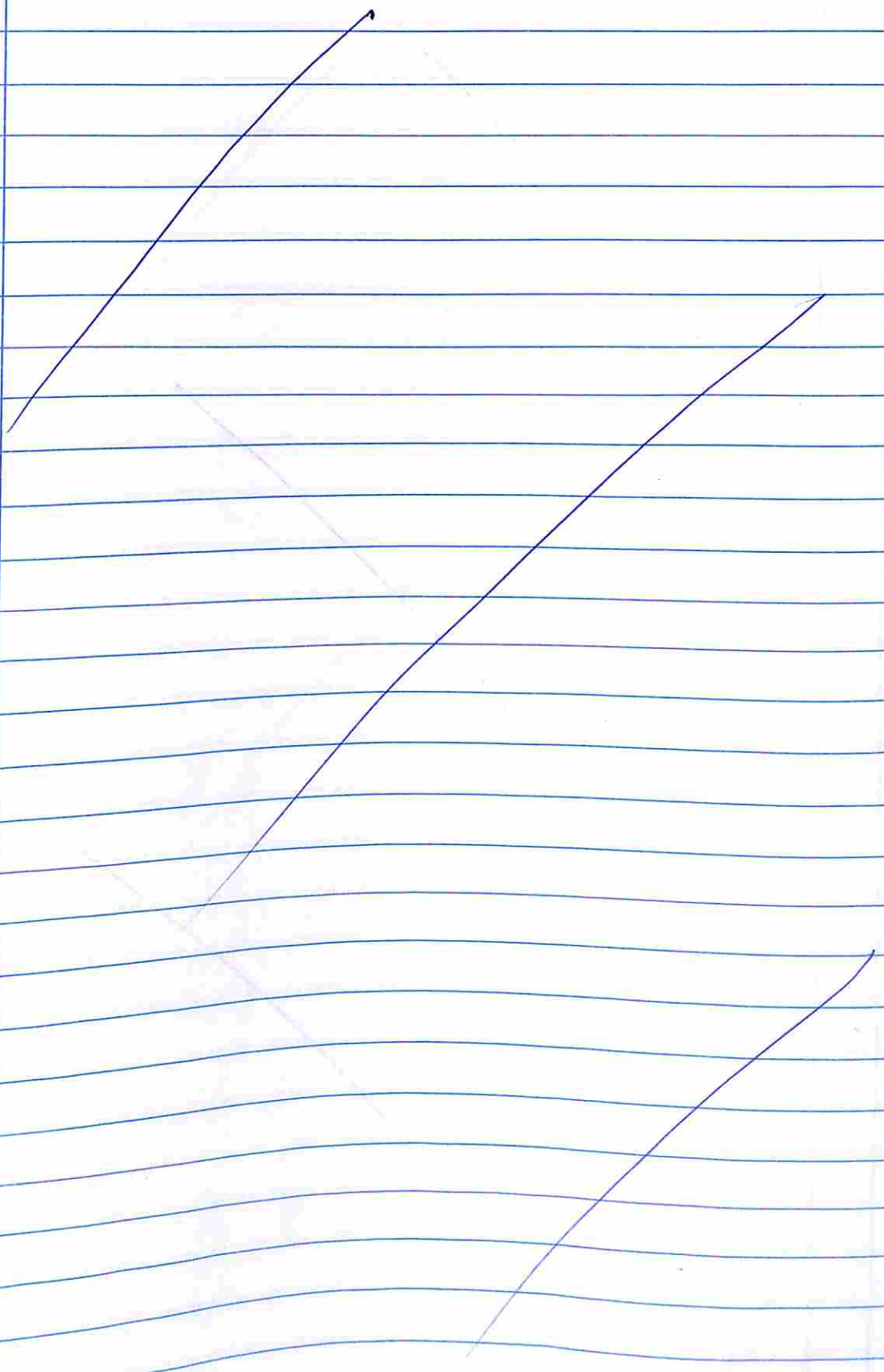

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

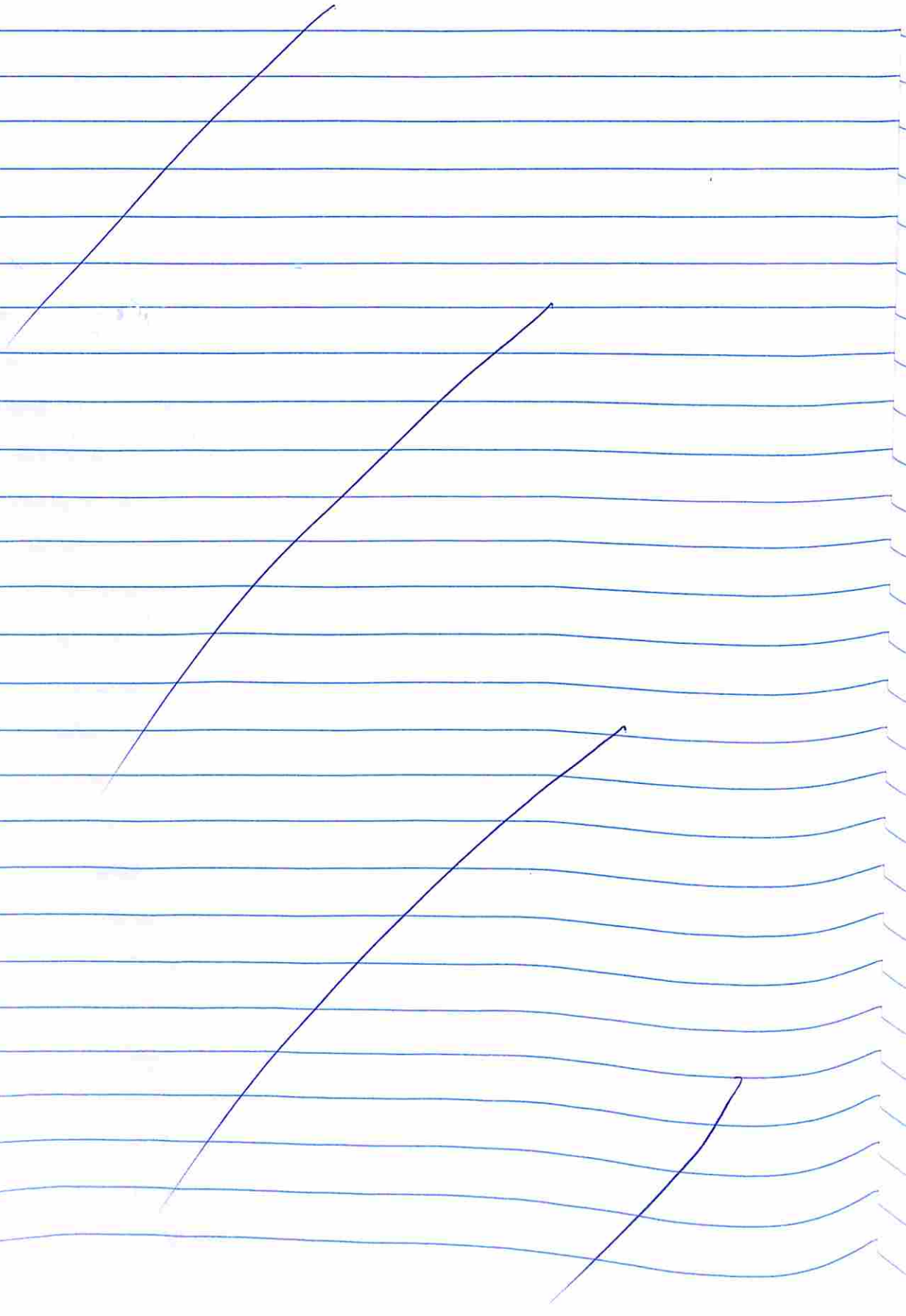

BSER 167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः
यत् क्रौञ्चमिथुनादेकमवधीः काममोहितम्

एक कार्य

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मृग: शीघ्रं धावति

बालकाय मिष्ठानम् रोचते

कवित्रु कालिदास श्रेष्ठ कवयः न विद्यते
सहसा

अविवेक परमापदाम् पदम् स्तम्भ

हि 155 इदं

सूर्य नारायण

वरता

स्व +उक्ति
सूक्ति

वाल्मीकि ✓ श्री

सूक्ति सुधा

वाल्मीकी

द्विचतु मात्रयो ह्रस्व सप्तम दीर्घ मन्यो

स्तो श्चुना श्चुः

सद्गुणैतेऽपधाने

जीवनी

जीवनी

जत जानतो मॉ

भजस्वा वरता

स्तोककाम

जतृजगण 151 551

विक्रमशौर्यम्

विक्रमशौर्यम्

भजस्वा

नर लो

155